श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल,
राजस्थान का उद्‌बोधन

उद्यमिता विकास विषय पर आयोजित दो दिवसीय फेकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम

दिनांक 18 सितम्बर,, 2020 **समय : दोपहर 12. 00 बजे**

शंकरा इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी तथा राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के संयुक्त तत्वाधान में

स्थान : राजभवन, जयपुर

उद्यमिता विकास विषय पर आज से आरंभ होने वाले दो दिवसीय फेकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम में उपस्थित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति श्री आर ए गुप्ता जी, शंकरा इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलोजी, जयपुर के श्री सन्त कुमार चौधरी जी, अन्य उपस्थित महानुभाव, शिक्षकगण, भाइयो और बहिनो।

कोरोना काल में इस तरह का आयोजन सराहनीय प्रयास है क्योंकि इसका सीधा संबंध आत्मनिर्भर भारत से है। Entrepreneurship का अर्थ है उद्यमिता अथवा व्यवसाय। यदि किसी व्यक्ति के पास नया विचार या आइडिया है, जिससे लोगों के जीवन को पहले की तुलना में सरल बनाया जा सकता है। इस आइडिया पर कार्य करना यदि कोई शुरू करता है तो यही कार्य आगे चलकर व्यवसाय अथवा Business में बदल जाता है।

एक Entrepreneur अथवा उद्यमी वह व्यक्ति होता है जो अपना खुद का उद्योग स्थापित करता है। ऐसे लोग समाज के विकास में भागीदार होते हैं। ऐसे व्यक्ति अपने उद्योग को बढाने के लिए अन्य व्यक्तियों को भी रोजगार देते हैं। जिससे समाज में व्याप्त बेरोजगारी की समस्या में कुछ हद तक कमी होती है।

देश में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय नये आयाम स्थापित कर रहा है। यह प्रसन्नता की बात है। विश्वविद्यालय सम्बद्ध महाविद्यालयों और शिक्षकों व विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु प्रतिबद्ध है। कोरोना काल में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर छात्र हित में शैक्षिक गतिविधियों का संचालन सराहनीय है।

इसी श्रंखला में विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षकों के लिए उद्यमिता विकास और प्रबंधन क्षमता निर्माण विषयों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बेहतर पहल है। इस समय इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता है। शिक्षकों के मनोबल को बनाये रखने के लिए यह अच्छा प्रयास है। इसके लिए आप सभी को बधाई देता हूं।

एक उद्यमी की खास बात यह होती है कि वह हार्ड वर्क के साथ साथ स्मार्ट वर्क भी करता है। उदाहरण के तौर पर Paytm के विजय शेखर शर्मा, MS Corp. के बिल गेट्स, Facebook के मार्क जुकरबर्ग, Reliance के धीरू भाई अंबानी आदि सभी सफल उद्यमी ही है, जिन्होंने एक नये आइडिया पर काम किया एवं उस आइडिया को सफल व्यवसाय में बदल दिया। इन लोगों ने जीवन को किसी न किसी रूप में सरल बनाया और साथ ही प्रोफिट भी प्राप्त किया।

एक सफल उद्यमी में बहुत सी विशेषताऐं होती हैं जैसे :–

– रिस्क लेने की क्षमता।
–नवाचार की योग्यता।
–भविष्य की दृष्टि की योग्यता।
–लीडर बनने की योग्यता।
–जल्दी से रिकवर होने की योग्यता।
–सही समय पर निर्णय लेने की योग्यता।
–पैसों को मेनेज करने की योग्यता।
–बेचने की योग्यता।
–परिणाम देने वाले कार्य करने की योग्यता
–स्वंय प्रेरित व्यक्ति

मैं समझता हूं कि इस दो दिवसीय प्रोग्राम में उद्यमिता विकास से जुड़े सभी बिन्दुओं पर हमारे विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी, जिससे प्रतिभागियों को इस विषय पर सोचने का अवसर मिलेगा जो आगे चलकर सफल उद्यमी बनने की और प्रयास करेंगें।

उद्यमिता के माध्यम से स्वरोजगार का सृजन होता है। अपना उद्यम आरम्भ करना यह समय की मांग है। कोरोना में आप सभी ने भी देखा होगा प्रवासी मजदूरों का अपने गांवों की ओर जाते हुए। हम सभी के लिए यह बहुत ही कष्टकारी था। इसलिए अब भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने होंगे।

अब गांवों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की शुरूआत कराने के लिए विश्वविद्यालयों को भी प्रयास करने होंगे। इससे गांव में ही रोजगार मिल सकेगा। युवाओं को नौकरी के लिए भटकना नही पडेगा। युवाओं को नौकरी देने वाला बनाना होगा। इस तरह की चर्चा आज पूरे विश्व में हो रही है। भारत में भी ऐसा वातावरण निर्माण करने की रणनीति प्रधानमंत्री जी ने बना दी है। हम सभी को इस रणनीति में भागीदार बनना होगा।

कोरोना काल की कठिनाइयों को हम लोग कभी भुला नही सकते हैं। इसलिए जीवन में आगे ऐसी स्थितियों की चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए हमें हमारी भावी पीढी को तैयार करना होगा। इससे गांवों से पलायन रूकेगा। गांव का विकास होगा। यदि गांवों का विकास हो गया तो देश का विकास तो स्वतः ही हो जायेगा।

स्थानीय स्तर पर प्रतिभाओं की कमी नही है। कमी संसाधनों की भी नही है। कमी केवल आत्म विश्वास की है। लोगों के मन में हिम्मत बनाने की है। गांव की प्रतिभाओं का आत्म बल हम सभी को बढाना होगा। उनके कार्यों की प्रशंसा करनी होगी। उनके उत्पादों के प्रति वोकल होना होगा।

साथ ही लोकल को ग्लोबल बनाने के लिए हम सभी को प्रयत्न करना होगा। गांवों के लोगों को संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। उनके उत्पादों के विपणन की व्यवस्था हमें करनी होगी। न केवल स्थानीय बाजार बल्कि ग्लोबल स्तर पर बाजार की उपलब्धता की सुनिश्चितता हम सभी को ही मिलकर करनी होगी।

मुझे विश्वास है कि यह कार्यशाला सफल रहेगी। इसका लाभ समाज, राज्य और देश को अवश्य मिलेगा। आत्मनिर्भर भारत के लिए वातावरण निर्माण की भूमिका इस तरह की कार्यशालाओं में ही तैयार हो सकती है।

धन्यवाद। जय हिन्द।